अति गोपनीय: (केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए) **सीनियर सेकेंडरी स्कूल पूरक परीक्षा, 2025** **अंकन योजना - भूगोल (सैद्धांतिक) (विषय कोड - 029)** **(पेपर कोड - 64/S/1)**	
सामान्य निर्देश:-	
1	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती से गंभीर समस्याएं हो सकती हैं जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती हैं। गलतियों से बचने के लिए, यह अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, आपको स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ना और समझना चाहिए।
2	**मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय न्याय सहिंता के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।**
3	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन किया जाना है। यह किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए और धार्मिक रूप से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, उत्तर जो नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या अभिनव हैं, उनका मूल्यांकन उनकी शुद्धता के लिए किया जा सकता है अन्यथा उन्हें अंक नहीं दिए जाएंगे। 12 कक्षा में, योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता की गणना की गई हो, अंक दिए जाने चाहिए।
4	अकं - योजना में उत्तरो के लिए केवल सुझाए गए मूल्य पर बिन्दु शामिल हैं । ये केवल दिशा निर्देशों की प्रकृति में है और सम्पूर्ण उत्तर का गठन नहीं करते हैं । छात्रों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक तदानुसार दिये जाने चाहिए |
5	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं को देखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के

	अनुसार किया गया है । मूल्यांकन के लिए रखी गई शेष उत्तरपुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएंगी कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है ।
6	जब भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) चिह्नित करेंगे। गलत उत्तर के लिए 'X' चिह्नित करें। मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही प्रकार का अंक नहीं लगाएंगे जिससे यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे आम गलती है जो मूल्यांकनकर्ता कर रहे हैं।
7	यदि किसी प्रश्न के भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के मार्जिन में लिखा जाना चाहिए और घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका कड़ाई से पालन किया जा सकता है।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के मार्जिन में अंक दिए जाने चाहिए और उन्हें घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका कड़ाई से पालन भी किया जा सकता है।
9	यदि किसी छात्र ने एक अतिरिक्त प्रश्न का प्रयास किया है , तो अधिक अंक वाले प्रश्न का उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रश्न लिखिए । बरकरार रखा जाना चाहिए और अन्य उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रश्न लिखिए ।
10	त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसे केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
11	अंकों का एक पूर्ण पैमाने _____70_____ (उदाहरण प्रश्न पत्र में दिए गए 0-40 अंक) का उपयोग किया जाना है। कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें यदि उत्तर इसके योग्य है।
12	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य घंटों अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे के लिए मूल्यांकन कार्य करना होता है और मुख्य विषयों में प्रति दिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रति दिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होता है (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र में प्रश्नों की संख्या को देखते हुए है।.
13	सुनिश्चित करें कि आप पूर्व में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियां नहीं करते हैं: ● उत्तर या उसके किसी भाग को उत्तर पुस्तिका में बिना मूल्यांकन के छोड़ना। ● किसी उत्तर के लिए दिए गए अंक से अधिक अंक देना। ● एक उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। ● उत्तर पुस्तिका के आंतरिक पृष्ठों से शीर्षक पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानान्तरण। ● शीर्षक पृष्ठ पर गलत प्रश्नवार योग। ● शीर्षक पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग। ● गलत कुल योग। ● शब्दों और अंकों में अंक का मिलान नहीं होना। ● उत्तरपुस्तिका से ऑनलाइन अवॉर्ड सूची में अंकों का गलत स्थानान्तरण।

	उत्तर सही के रूप में चिह्नित हैं, लेकिन अंक नहीं दिए गए हैं। (सुनिश्चित करें कि सही सही का निशान सही और स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X के साथ भी ऐसा ही है।) उत्तर के आधे या एक भाग को सही और शेष को गलत के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।.
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	किसी भी अमूल्यांकित हिस्से, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए, सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण पालन किया जाए।
16	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को मूल्यांकन के लिए दिशा-निर्देशों में दिए गए दिशा-निर्देशों से खुद को परिचित करना चाहिए।.
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से कुल और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।.
18	बोर्ड उम्मीदवारों को आरटीआई आवेदन में अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है और प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के एक भाग के रूप में अलग से भी। परिक्षक / अतिरिक्त मुख्य परिक्षों को पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करे कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं के अनुसार ही किया गया है।

अंकन योजना
पूरक परीक्षा, 2025
भूगोल (सैद्धांतिक) (विषय कोड - 029)
(पेपर कोड ~64/S/1)

सेट -1
पूर्णांक -70

	अपेक्षित उत्तर/ मूल्य बिंदु	Page no in TB	अंक
	खण्ड - क **प्रश्न संख्या 1 से 17 बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं।**		(17×1=17)
1.	(C) एलेन सी. सैंपल	**Pg 2 TB-I**	**1**
2	(C) सांस्कृतिक भू- दृश्य की रचना करना	**Pg 2 TB-I**	**1**
3	(C) बहते पानी का पिंड	**Pg 2 TB-I**	**1**
4	(B) केवल I, II और IV सही है	**Pg 25 TB-1**	**1**
5	(A) सकल राष्ट्रीय प्रसंन्नता (GNH)	**Pg 18 TB-I**	**1**
6	(D) केवल I, II और IV सही हैं	**Pg 13 TB-I**	**1**
7	(C) 1881	**Pg 1 TB-II**	**1**
8	(C) अभिकथन (A)और कारण (R) दोनों सही है और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है ।	**Pg 7 TB-II**	**1**
9	(B) II ,IV, I, III	**Pg 17 TB-II**	**1**
10	(A) गुच्छित बस्तियां	**Pg 16 TB-II**	**1**
11	(B) केवल I, II और III सही है।	**Pg.17 TB-II**	**1**

12	(C) अभिकथन (A)और कारण (R) दोनों सही है और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है ।	**Pg.44 TB-II**	**1**
13	(B) केवल I, III और IV सही है।	**Pg 47 TB-II**	**1**
14	(D) मार्मागाओ	**Pg.90 TB-II**	**1**
15	*नीचे दिए गए आरेख का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और प्रश्न संख्या **15** से **17** तक के उत्तर लिखिए :* 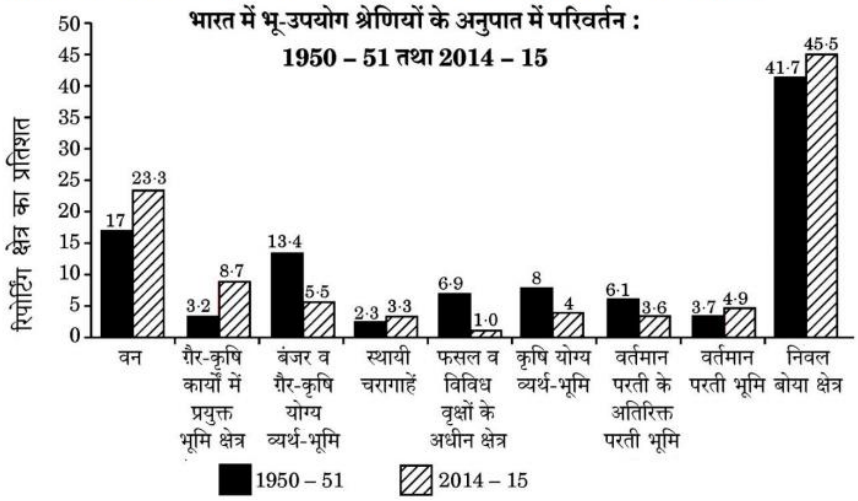 		
15	(B) कृषि योग्य व्यर्थ - भूमि में गिरावट		1
16	(A) वन		1
17	(D) बंजर एवं गैर - कृषि योग्य व्यर्थ -भूमि		1
	***नोट** : निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए प्रश्न संख्या 15 से 17 के स्थान पर है।*		
15	(D) ग़ैर कृषि कार्यो में प्रयुक्त भूमि क्षेत्र		1
16	(A) कृषि योग्य व्यर्थ -भूमि में गिरावट		1
17	(C) बंजर एवं गैर कृषि योग्य व्यर्थ भूमि		1
	खंण्ड - ख प्रश्न संख्या **18** एवं **19** **स्रोत** आधारित प्रश्न है।		**(2x3=6)**

18 दिए गए अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **3x1=3**

अंकीय विभाजक

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर आधारित विकास से मिलने वाले अवसरों का वितरण पूरे ग्लोब पर असमान रूप से वितरित है। देशों में विस्तृत आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक भिन्नताएँ पाई जाती हैं। निर्णायक कारक यह है कि कोई देश कितनी शीघ्रता से अपने नागरिकों को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी तक पहुँच और उसके लाभ उपलब्ध करा सकता है। विकसित देश, सामान्य रूप से, इस दिशा में आगे बढ़ गए हैं जबकि विकासशील देश पिछड़ गए हैं और इसी को अंकीय विभाजक कहा जाता है। इसी प्रकार देशों के भीतर अंकीय विभाजक विद्यमान है। उदाहरणत:, भारत अथवा रूस जैसे विशाल देश में यह अवश्यंभावी है कि महानगरीय केंद्रों जैसे निश्चित क्षेत्रों में परिधिस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अंकीय विश्व के साथ बेहतर संबंध तथा पहुँच पाई जाती है।

18.1 अंकीय विभाजक को परिभाषित कीजिए !

उत्तर - अपने नागरिकों को आईसीटी तक पहुंच और लाभ प्रदान करने में विकसित और विकासशील देशों के बीच अंतर को अंकीय विभाजित कहते हैं। 1

18.2 सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के असमान विकास के कारण का उल्लेख कीजिये

उत्तर- देशों के बीच व्यापक आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक मतभेद हैं, जिनके कारण आईसीटी असमान है। 1

18.3 देशों के मध्य अंकीय विभाजन क्यों अस्तित्व में है ?

उत्तर- यह स्वाभाविक है कि भारत जैसे कुछ बड़े देशों में, महानगरीय क्षेत्रों को आईसीटी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्राप्त है, जबकि परिधीय ग्रामीण क्षेत्र पीछे रह जाते हैं। 1

19 निम्नलिखित तालिका का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **3x1=3**

भारत का सड़क जाल 2016

क्र.सं.	*सड़क वर्ग*	*लंबाई किमी में*
1.	राष्ट्रीय महामार्ग	101011
2.	राज्य महामार्ग	176166
3.	प्रमुख जिला सड़कें	561940
4.	ग्रामीण सड़कें	3935377
	कुल	**4774494**

	19.1 2016 में राज्य महामार्गों के सापेक्ष राष्ट्रिय महामार्गों की लम्बाई कितने किमी कम है ? उत्तर - 75155 किमी 1 **19.2 2016 में राज्य महामार्गों के सापेक्ष प्रमुख जिला सड़कें कितने किमी अधिक है ?** उत्तर - 385774 किमी 1 **19.3 सड़कों की बहुत बड़ी लम्बाई ग्रामीण सड़कों की श्रेणी में क्यों आती है?** उत्तर - ग्रामीण सड़कें ग्रामीण आबादी को सम्पर्क प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण हैं, हमारी लगभग 68.8% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती हैं इसलिए ग्रामीण सड़कों की लम्बाई अधिक है। 1		
	खण्ड - ग प्रश्न संख्या 20 से 23 लघु -उत्तरीय प्रश्न है।		(4×3=12)
20	**(क) विश्व जनसँख्या वितरण को प्रभावित करने वाली किन्हीं तीन आर्थिक कारकों की व्याख्या कीजिये।** **विश्व जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले आर्थिक कारक हैं:-** i. **खनिज**: खनिज भंडार वाले क्षेत्र उद्योगों को आकर्षित करते हैं। खनन और औद्योगिक गतिविधियाँ रोज़गार उत्पन्न करती हैं। ये क्षेत्र बड़ी संख्या में लोगो को आकर्षित करते है। ii. **नगरीकरण:** नगर बेहतर रोज़गार के अवसर, शैक्षिक और चिकित्सा सुविधाएँ, बेहतर परिवहन और संचार के साधन प्रदान करते हैं। iii. **औद्योगीकरण**: औद्योगिक क्षेत्र रोज़गार के अवसर प्रदान करते हैं और बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित करते हैं। iv. कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित।)**	**Pg.8** TB-I	**3x1=3**

	अथवा **(ख) विश्व जनसँख्या में परिवर्तन के तीन घटकों की व्याख्या कीजिये ।** **विश्व जनसँख्या में परिवर्तन के घटक:-** i. जन्म दर ii. मृत्यु दर iii. प्रवास **(सभी तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित।)**	**Pg.9** TB-I	**3x1=3**
21	निम्नलिखित मानचित्र का अध्ययन कीजिए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 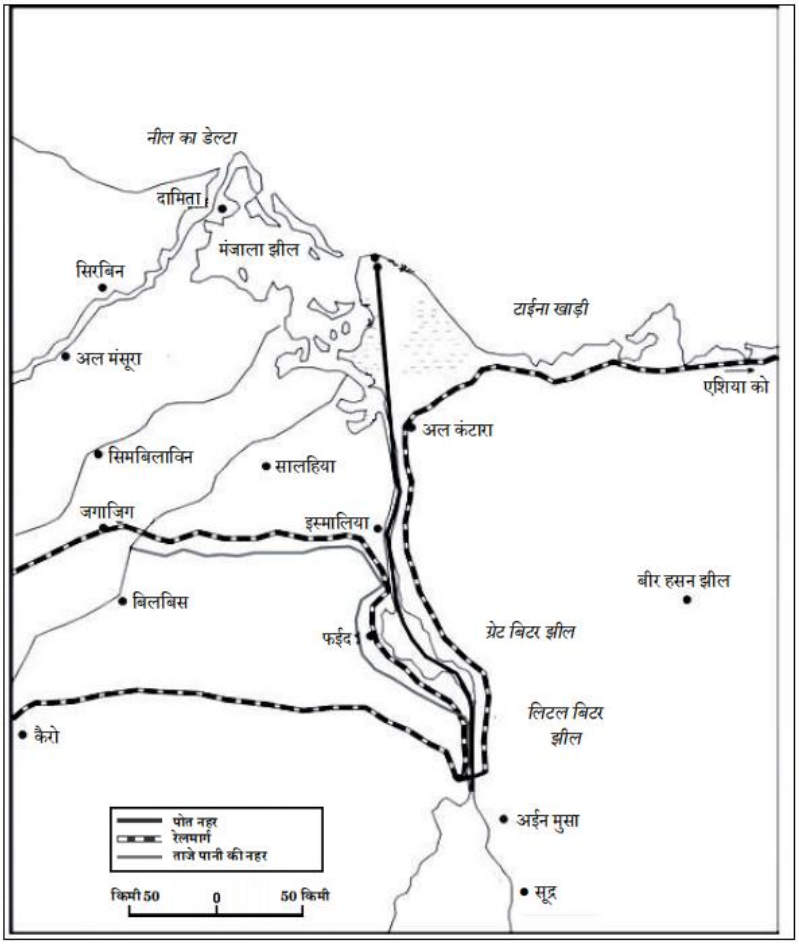 **21.1 मानचित्र पर दर्शाए गए जलमार्ग की पहचान कीजिए।** उत्तर - स्वेज नहर 1 **21.2 दिए गए जल मार्ग के दोनों ओर स्थित पतनो के नाम लिखिए ।** उत्तर - पोर्ट स्वेज और पोर्ट सईद 1/2 + 1/2 =1		**3x1=3**

	21.3 दिए गए जलमार्ग द्वारा जुड़े दो जल निकायों के नाम लिखिए । उत्तर - लाल सागर/स्वेज की खाड़ी और भूमध्य सागर 1/2 + 1/2 =1 ***नोट :*** *निम्नलिखित प्रश्न केवल* ***दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों*** *के लिए प्रश्न संख्या 21 के स्थान पर है।* **पनामा नहर के आर्थिक महत्व की व्याख्या कीजिए।** i. यह नहर न्यूयॉर्क एवं सैन फ्रांसिस्को के बीच की दूरी कम करती है। ii. इससे पश्चिमी यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के पश्चिमी तट ;उत्तर पूर्वी और मध्य संयुक्त राज्य अमेरिका और पूर्वी तथा दक्षिणी- पूर्वी एशिया के मध्य की दूरी भी कम हो गई है। iii. दक्षिणी अमेरिका की अर्थव्यवस्था में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। iv. कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित।)**	**Pg.64** TB-I	**3x1=3**
22	**"भारत की भौतिक विशेषताएं और भारत की जनसंख्या वितरण एक - दूसरे से जुड़े हुए हैं।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए।** i. अति गरम व ठंडी जलवायु मानव के लिए असुविधाजनक होती है तथा सम जलवायु मानव बसाव के लिए सुविधाजनक होती है। ii. जल की उपलब्धता जनसंख्या वितरण के प्रतिरूप का निर्धारण करती हैं। iii. लोग समतल मैदान और मंद ढालों पर बसने को वरीयता देते हैं क्योंकि वहां फसलों का उत्पादन अनुकूल होता है। उत्तर भारत के मैदानों, डेल्टाओं और तटीय मैदानों में जनसंख्या का अनुपात अधिक है। **iv.** दक्षिणी और मध्य भारत के राज्यों के आंतरिक जिलों, हिमालय, उत्तर- पूर्वी और पश्चिमी कुछ राज्यों में जनसंख्या का अनुपात कम है। v. कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)**	**Pg.3** TB-II	**3x1=3**

23	**1950 के दशक से भारत की आयात संरचना के बदलते प्रारूप की परख कीजिए।** i. 1950 के दशक में खाद्यान्न, पूंजीगत माल ,मशीनरी एवं उपस्कर आयात की प्रमुख वस्तुएं थी। ii. 1970 के बाद खाद्यान्नों का आयात रोक दिया गया। iii. खाद्यानों के आयात की जगह उर्वरकों एवं पेट्रोलियम ने ले ली। iv. मशीन एवं उपस्कर, विशेष स्टील, खाद्य तेल तथा रसायन मुख्य रूप से आयात व्यापार की रचना करते हैं। v. पेट्रोलियम तथा इसके उत्पादों के आयात में वृद्धि हुई है। vi. खाद्य तथा संवर्गी उत्पादों के आयात में कमी आई। vii. भारत के आयात में अन्य प्रमुख वस्तुओं में मोती तथा उपरत्नों, स्वर्ण एवं चांदी, धातुमय अयस्क तथा इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं आदि आते हैं। viii. कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं की परख अपेक्षित।)**	**Pg.87,88** TB-II	**3x1=3**
	खण्ड - घ प्रश्न संख्या 24 से 28 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है।		**(5x5=25)**
24	**"लागत कम करके अधिकतम लाभ कमाने के लिए विभिन्न स्थानों पर बड़े पैमाने के उद्योग स्थापित किए जाते हैं "। इस कथन के आलोक में ,औद्योगिक अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारकों की परख कीजिए।** i. **बाज़ार तक अभिगम्यता :** बाजार से तात्पर्य उस क्षेत्र में तैयार वस्तुओ की मांग एवं वहाँ के निवासियों में खरीदने की क्षमता है। उदाहरण के लिए यूरोप, उत्तरी अमेरिका, जापान एवं ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्र वृहद वैश्विक बाज़ार हैं क्योंकि इन प्रदेशों के लोगो की क्रय क्षमता अधिक हैं। ii. **कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता :** उद्योग के लिए कच्चा माल अपेक्षाकृत सस्ता एवं सरलता से परिवहन योग्य होना चाहिए। भारी वजन, सस्ते मूल्य एवं वजन घटने वाले पदार्थो पर आधारित उद्योग कच्चे माल के स्त्रोत स्थल के		

	समीप स्थित हैं जैसे इस्पात, चीनी एवं सीमेंट उद्योग। iii. **श्रम आपूर्ति तक अभिगम्यता :** कुछ प्रकार के उद्योगों में अब भी कुशल श्रमिकों की आवश्यकता होती हैं। बढ़ते हुए यंत्रीकरण, स्वचलन एवं औद्योगिक प्रक्रिया के लचीलेपन ने उद्योगों में श्रमिकों पर निर्भरता को कम किया है। iv. **शक्ति के साधनो तक अभिगम्यता :** वे उद्योग जिनमे अधिक शक्ति की आवश्यकता होती हैं वे ऊर्जा के स्रोतों के समीप लगाए जाते हैं, जैसे एल्युमीनियम उद्योग। v. **परिवहन एवं संचार की सुविधाओं तक अभिगम्यता :** कच्चे माल को कारखाने तक लाने के लिए और परिष्कृत सामग्री को बाज़ार तक पहुंचाने के लिए तीव्र और सक्षम परिवहन सुविधाएँ औद्योगिक विकास के लिए अति आवश्यक हैं। परिवहन लागत किसी औधोयगीक इकाई की अवस्थिति को निश्चित करने में महत्वपूर्ण कारक है। उदहारण पश्चिमी यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका के पूर्वी भागो में अत्यधिक परिवहन तंत्र विकसित होने के कारण सदैव इन क्षेत्रों में उद्योगों का संकेन्द्रण हुआ है। vi. **सरकारी नीति :** संतुलित आर्थिक विकास हेतु सरकार प्रादेशिक नीति अपनाती हैं जिसके अंतर्गत विशिष्ट क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना की जाती हैं। vii. **समूहन अर्थव्यवस्था तक अभिगम्यता :** प्रधान उद्योग की समीपता से अन्य अनेक उद्योग लाभान्वित होते हैं। ये लाभ समूहन अर्थव्यवस्था के रूप में परिणत हो जाते हैं। viii. अन्य संबंधित बिंदु । **(किन्ही पांच बिंदुओं की परख अपेक्षित)**	**Pg.37,38** TB-I	**5x1=5**

25	**(क) "चलवासी पशु चारकों की संख्या घट रही है और उनके द्वारा संचालित क्षेत्र सिकुड़ रहा है।" उदाहरणों सहित इस कथन की व्याख्या कीजिए।** i. राजनीतिक सीमाओं का अधिरोपण। ii. कई देशों द्वारा नई बस्तियों की योजना बनाना। iii. नगरीकरण तथा कृषिः उदाहरणः जम्मू और कश्मीर में गुज्जर और बकरवाल जैसे समुदायों ने विकास परियोजनाओं के कारण अपने पारंपरिक चरागाह मार्गों को अवरुद्ध होते देखा है। iv. सरकार द्वारा चलवासी समुदाय को प्रशासनिक कार्यों को सुविधाजनक बनाने के लिए स्थाई बसावट के लिए मजबूर किया जाता है। v. शिक्षा :शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात लोग प्राथमिक क्रियाकलापों को छोड़कर द्वितीय एवं तृतीय क्रियाकलापों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। vi. अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्ही पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)**	**Pg.24** TB-I	**5x1=5**
	अथवा **(ख) "भूमध्य सागरीय कृषि अत्यधिक विशिष्ट वाणिज्यिक कृषि है।" उदाहरणों सहित इस कथन की व्याख्या कीजिए।** i. इसका विस्तार भूमध्य सागर के समीपवर्ती क्षेत्र जो दक्षिण यूरोप से उत्तरी अफ्रीका में ट्यूनीशिया से अटलांटिक तक तक फैला है । ii. अंगूर की कृषि इस कृषि की मुख्य विशेषता है। iii. अच्छी किस्म के अंगूरों से उच्च गुणवत्ता वाली मदिरा का उत्पादन किया जाता है। iv. निम्न श्रेणी के अंगूरों को सुखाकर मुनक्का व किशमिश बनाई जाती है। v. अंजीर एवं जैतून भी यहां उत्पन्न किया जाता है। vi. फलों एवं सब्जियों की मांग यूरोप एवं अमेरिका में अधिक है। vii. अन्य संबंधित बिंदु । **(किन्ही पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)**	**Pg.30** TB-I	**5x1=5**
26	**(क) "अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कुछ राष्ट्रों के लिए हानिकारक साबित हो सकता है, फिर भी यह अस्तित्व में बना हुआ है।"उदाहरण सहित इस कथन को**		

	न्याय संगत ठहराइए। i. इससे देशो की निर्भरता आपस में बढ़ जाती है । ii. इससे विकास का असमान स्तर बढ़ जाता है। iii. विकसित देश अविकसित देशो का शोषण करते है। iv. इनसे वाणिज्यिक प्रतिद्वंदिता बढ़ती है और युद्ध जैसी स्थितया उत्पन हो जाती है। v. यह सारे विश्व में पर्यावरण से लेकर लोगों के स्वास्थय एवं कल्याण इत्यादि को प्रभवित कर सकता है। vi. जैसे जैसे देश अधिक व्यापर के लिए प्रतिस्पर्धी बनते जा रहे है, प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग बढ़ता जा रहा ह। vii. संसाधनों के नष्ट होने की दर उनके पुनर्भरण की दर से तीव्र हो जाती है। viii. समुद्री जीवन भी तीव्रता से नष्ट हो रहा है तथा वन काटे जा रहे हैं। ix. नदी बेसिन निजी पेय जल कंपनियों को बेचे जा रहे हैं। x. अन्य संबंधित बिंदु । **(किन्ही पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)** **अथवा** **(ख) "अंतर्राष्ट्रीय व्यापार दोनों व्यापारिक साझेदारों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी होता है"।उदाहरणों सहित इस कथन को न्याय संगत ठहराइये।**	**Pg.74** TB-I	**5x1=5**
	i. विभिन्न राष्ट्रो द्वारा वस्तुओं के उत्पादन एवं सेवाओं की उपलब्धता में श्रम विभाजन तथा क्षेत्रीय विशेषीकरण को प्रयोग में लाना। ii. उत्पादन का उच्च स्तर iii. रहन-सहन के उच्च स्तर iv. वस्तु एवं सेवाओं की विश्व व्यापी उपलब्धता v. कीमतों और वेतन का समानीकरण vi. ज्ञान एवं संस्कृति के प्रसार को प्रेरित करना। vii. व्यापार परिपूरकता एवं हस्तांतरणीयता के सिद्धांतों पर आधारित है। viii. अन्य संबंधित बिंदु । **(किन्ही पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)**	**Pg.74** TB-I	**5x1=5**

27	(क) **भारत में खनिज संसाधनों की मुख्य विशेषताओं की परख कीजिए और उनके संरक्षण के लिए उपाय समझाइए।** **भारत में खनिज संसाधनों की विशेषताएं** i. असमान वितरण ii. खनिजों के गुणवत्ता तथा मात्रा के बीच प्रतिलोमी संबंध। iii. सभी खनिज समय के साथ समाप्त हो जाते हैं। iv. अन्य संबंधित बिंदु । 2x1=2 **(किन्ही दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)** **संरक्षण के उपाय :-** i. समापय संसाधनों की बजाय ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत जैसे सौर ,पवन ,भूतापीय आदि का प्रयोग करना। ii. धात्विक खनिजों जैसे तांबा ,सीसा के मामले में छाजन धातुओं का उपयोग। iii. दुर्लभ खनिजों के लिए विकल्पों का उपयोग। iv. सामरिक खनिजों के निर्यात को घटाना। v. अन्य संबंधित बिंदु । 3x1=3 **(किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)** **अथवा** (ख) **"ऊर्जा के गैर- परंपरागत स्रोतों का बड़ा भविष्य है। "भारत के संदर्भ में इस कथन का मूल्यांकन कीजिए।** i. ये नवीकरणीय साधन है जैसे- पवन, सौर ऊर्जा। ii. यह समान रूप से वितरित है । iii. पर्यावरण तथा पारिस्थितिकी अनुकूल हैं। iv. ये लागत प्रतिस्पर्धी , पर्यावरण अनुकूल एवं निर्माण में आसान हैं। उदाहरण सौर तापीय प्रोधोगिकी । v. भारत के पश्चिम में भागों गुजरात व राजस्थान में सौर ऊर्जा के विकास की अधिक संभावनाएं हैं। vi. ये प्रदूषण मुक्त है जैसे पवन ऊर्जा । vii. स्थानीय हवाओं, स्थलीय और जलीय पवनों को राजस्थान गुजरात महाराष्ट्र में विद्युत पैदा करने के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है। viii. महासागरीय धाराएं ऊर्जा का अपरिमित भंडार ग्रह है । ix. भारत के पश्चिमी तट पर ज्वारीय ऊर्जा विकसित करने की व्यापक	**Pg.54,64** TB-II	**2+3=5**

	संभावनाएं हैं। x. भूतापीय ऊर्जा को वैकल्पिक स्रोत के रूप में विकसित किया जा सकता है। xi. जैव ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा ,ताप ऊर्जा अथवा खाना पकाने के लिए गैस में परिवर्तित किया जा सकता है। उदाहरण दिल्ली में ओखला परियोजना। xii. अन्य संबंधित बिंदु । **(किन्ही पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)**	**Pg.61-64** TB-II	**5x1=5**
28	**(क) "लोगों और उद्योगों द्वारा पानी के भेदभावपूर्ण उपयोग से जल की गुणवत्ता कम हो रही है।"इस कथन की परख कीजिए और उपचारात्मक उपाय सुझाइए।** i. नदियों, नहरों, झीलों आदि से उपलब्ध धरातलीय जल शुद्ध नहीं रह गया है । ii. इसमें अल्प मात्रा में निलंबित कण, कार्बनिक और अकार्बनिक पदार्थ समाहित होते है । iii. जब पदार्थों की सांद्रता बढ़ जाती है, तो जल प्रदूषित हो जाता है। iv. मानव, जल को उद्योगों, कृषि और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से प्रदूषित करता हैं। v. अन्य संबंधित बिंदु । **(किन्ही तीन बिंदुओं की परख अपेक्षित)** 3x1=3 **उपचारात्मक उपाय:-** i. अपशिष्ट जल का उपचार। ii. कानूनों को लागू करना। iii. पर्यावरण-अनुकूल कृषि गतिविधियों का उपयोग। iv. औद्योगिक अपशिष्ट उपचार। v. जल को विवेक से उपयोग करना । vi. जल का पुनर्चक्रण और पुन: उपयोग। vii. वर्षा जल संचयन का कार्यान्वयन।	**Pg.93** TB-II	**3+2=5**

	viii. जागरूकता अभियान। ix. अन्य संबंधित बिंदु । 2x1=2 **(किन्ही दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)** **अथवा** **(ख) "भारत में शहरी अपशिष्ट निपटान एक गंभीर समस्या बनती जा रही है।" इस कथन की परख कीजिए और उपचारात्मक उपाय सुझाइए।** i. अधिकांश कचरा बिना एकत्र किए ही छोड़ दिया जाता है जो सड़कों पर, घरों के बीच खुली जगहों पर जमा हो जाता है। ii. अनुपचारित अपशिष्ट धीरे-धीरे सड़ते हैं और वातावरण में जहरीली गैसें छोड़ते हैं। iii. ठोस अपशिष्ट से अप्रिय गंध पैदा करके स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करते हैं। iv. मक्खिओं और कृतको से स्वस्थ्य सम्बन्धी जोखिम पैदा हो जाते है जैसे टाइफाइड, डिप्थीरिया आदि । v. ये अपशिष्ट क्लेश पैदा करते हैं और फैलने एवं बरसाती पानी से छितरने के कारण परेशानी का कारण बनता है vi. अन्य संबंधित बिंदु । 3x1=3 **(किन्ही तीन बिंदुओं की परख अपेक्षित)** **उपचारात्मक उपाय:-** i. खपत को कम करना। ii. पुन: प्रयोज्य वस्तुओं को बढ़ावा देना । iii. गीले और सूखे कचरे को अलग करना। iv. खाद्य अपशिष्ट जैसे जैविक अपशिष्ट से खाद बनाने को प्रोत्साहित करना। v. सामुदायिक भागीदारी। vi. अन्य संबंधित बिंदु । 2x1=2 **(किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)**	**Pg.97** TB-II	**3+2=5**

	खण्ड - ङ **प्रश्न संख्या 29 एवं 30 मानचित्र - आधारित प्रश्न है।**		2×5=10

29 **कृपया संलग्न मानचित्र देखें।**

किन्ही पांच की पहचान कीजिए। **5x1=5**

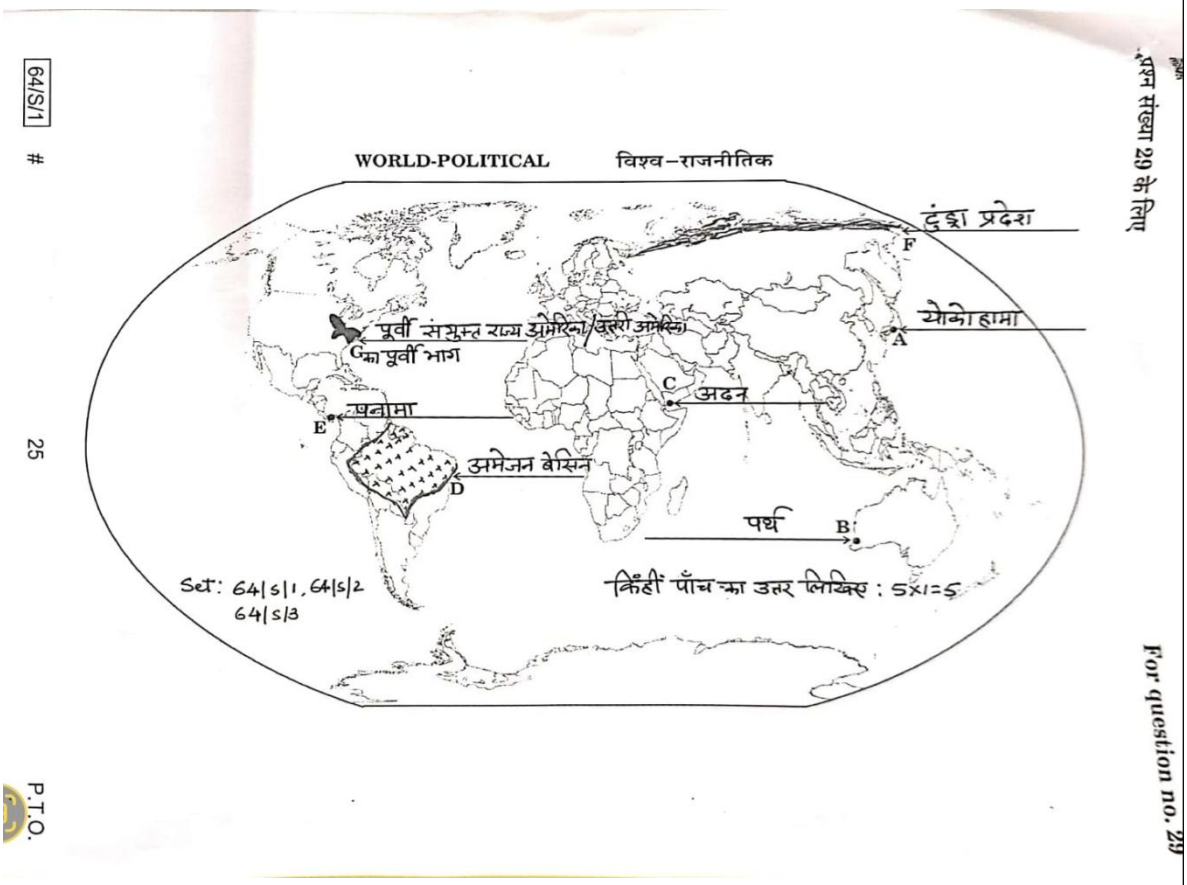

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 29 के स्थान पर है। किन्ही पांच का उत्तर लिखिए।

(29.1) *योकोहामा / कोबे*

(29.2) पर्थ

(29.3) अदन

(29.4) अमेज़न बेसिन

(29.5) पनामा

(29.6) टुण्ड्रा

(29.7) पूर्वी उत्तरी अमेरिका

30	**कृपया संलग्न मानचित्र देखें।** **किन्हीं पाँच को अंकित कीजिए ।** **5x1=5**

प्रश्न संख्या 30 के लिए

For question no. 30

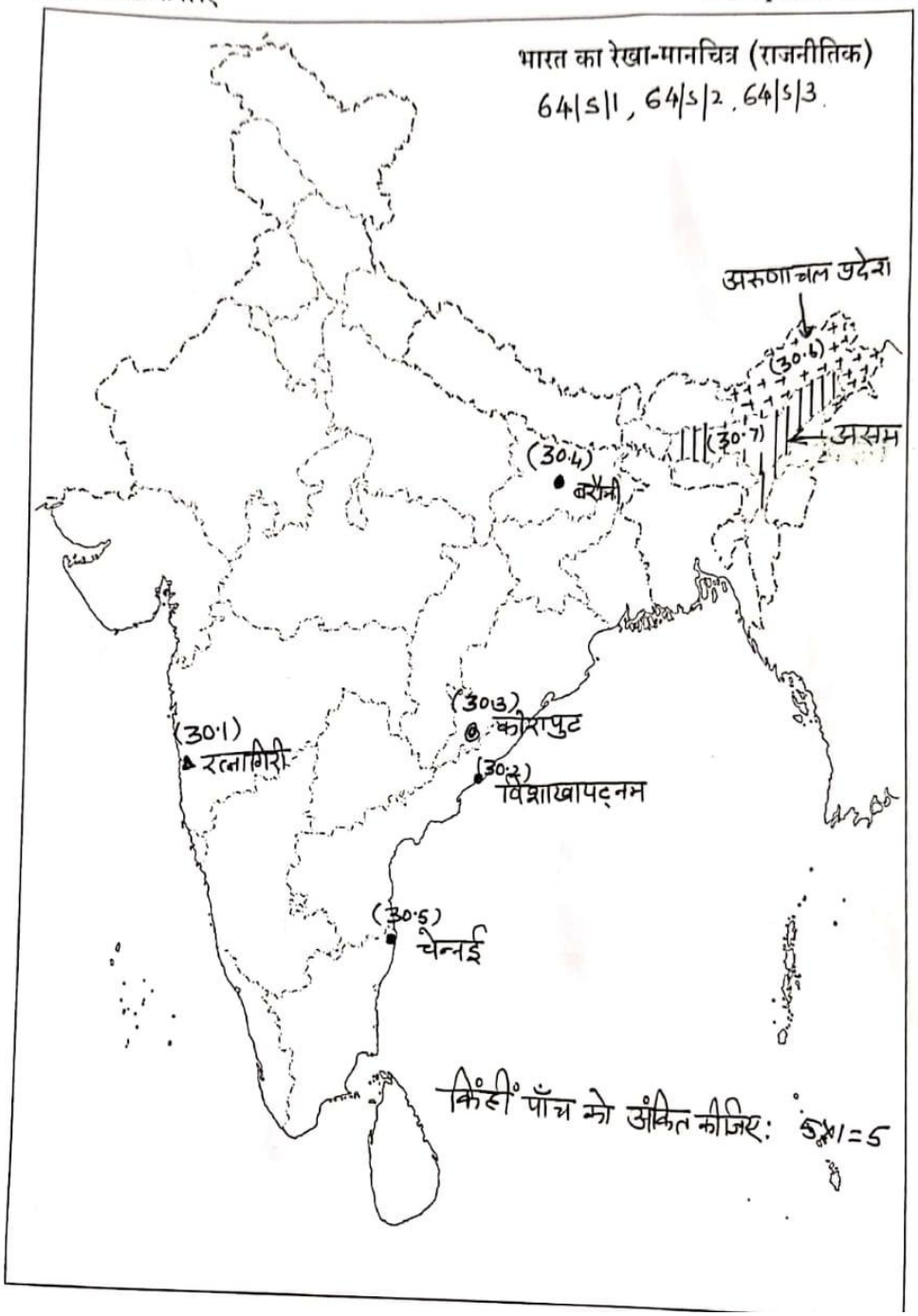

	नोटः निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 30 के स्थान पर है। <u>किन्ही पांच</u> का उत्तर लिखिए। **(30.1) रत्नागिरी** **(30.2) विशाखापत्तनम** **(30.3) कोरापुट** **(30.4) बरौनी** **(30.5) चेन्नई** **(30.6) अरुणाचल प्रदेश** **(30.7) असम**